विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत दिनांक 06-05-2021

वर्ग अष्टम शिक्षक -राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

प्रथमः पाठः

स्वास्थ्यैव धनम्

सभी धातुओं में विधिलिंङ लकार के प्रत्यय लगाकर रूप बना सकते हैं, लेकिन कृ और अस् धातु के सभी रूप भिन्न प्रकार के चलते हैं।
इन्हें याद कीजिए-

विधिलिङ् लकार कृ धातु - चाहिए के अर्थ में,
Potential Mood

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	कुर्यात्	कुर्याताम्	कुर्युः
मध्यम पुरुष	कुर्याः	कुर्यातम्	कुर्यात
उत्तम पुरुष	कुर्याम्	कुर्याव	कुर्याम

विधिलिङ् लकार अस् धातु - चाहिए के अर्थ में, Potential Mood

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	स्यात्	स्याताम्	स्युः
मध्यम पुरुष	स्याः	स्यातम्	स्यात
उउत्तम पुरुष	स्याम्	स्याव	स्याम